



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

आधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 202]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 24, 1986/ज्यैष्ठ 3 1908

No. 202]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 24, 1986/JYAISTHA 3, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ सख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय  
(आर्थिक कार्य विभाग)  
(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 24 मई, 1986

प्रधिसूचना

का. आ. 297(अ)...—केन्द्रीय सरकार, बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 45 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस धारा की उपधारा (1) के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा किए गए आवेदन पर विचार करने के पश्चात् हिन्दुस्तान कमर्शियल बैंक लिमिटेड, कानपुर की बाबत 24 मई, 1986 को कारबार की समाप्ति से तारीख 25 सितम्बर, 1986 तक जिसके अंतर्गत यह तारीख भी है, की कालावधि के लिए स्वयं आवेदन करती है और अधिस्वयं की कालावधि के दौरान उस बैंककारी कम्पनी के विरुद्ध सभी कार्रवाइयाँ और कार्यवाहियों के प्रारम्भ करने या बालू रखने को इस शर्त के अधीन रहते हुए स्थगित करती है कि ऐसे स्वयं से उक्त अधिनियम की धारा 35 की उपधारा (4) के खण्ड (ख) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा उसकी शक्तियों के प्रयोग पर या उक्त अधिनियम की धारा 38 के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उसकी शक्तियों के प्रयोग पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

2 केन्द्रीय सरकार यह भी निवेदन देती है कि हिन्दुस्तान कमर्शियल बैंक लिमिटेड, कानपुर को मंजूर की गयी अधिस्वयं की कालावधि के दौरान, वह बैंक भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित अनुज्ञा के बिना,—

(क) अपने दायित्वों और बाध्यताओं के निर्वहन में या अथवा कोई उधार या अग्रिम नहीं देगा, कोई दायित्व उत्पन्न नहीं करेगा, कोई विनिधान नहीं करेगा या किसी संदाय के लिए करार या उसका संवितरण नहीं करेगा या इसमें इसके पश्चात् उपबंधित विस्तार और रीति के सिवाए कोई समझौता नहीं ठहराव नहीं करेगा—

(1) प्रत्येक शब्द बैंक या चालू खाते में या किसी अन्य निधि में चाहे वह किसी भी नाम से ज्ञात हो, कुछ प्रतिशेक के 50 प्रतिशत से अधिक राशि परन्तु वह तब जब कि किसी एक व्यक्ति के नाम में (और किसी अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त रूप में नहीं) जमा चाहे की वास्तव संदत्त रकम की कुल धनराशि व्यक्तियों के मामले में 10,000 रुपये तथा संस्थाओं के मामले में 25,000- रुपये से अधिक नहीं है, परन्तु यह और कि ऐसी कोई रकम ऐसे किसी निक्षेपकर्ता/संस्था को जो किसी भी रूप में बैंक का ऋणी है, संदत्त नहीं की जाएगी;

- (2) उक्त बैंक द्वारा जारी किए गए कोई डाक या सदाय आदेशों की कोई रकम धीरे धीरे उस तारीख को निष्काशित करने और जो उस तारीख को जारी अधिव्ययन तालिका में के अन्तर्गत रहती है,
- (3) तारीख 24 मई 1986 को या उसके बाद जारी किए गए डाक या सदाय आदेशों के संबंध में, जो इस आदेश के अन्तर्गत रहती हैं,
- (4) किसी भी कंपनी या उक्त बैंक द्वारा या उसके द्वारा जारी किए गए किसी डाक या सदाय आदेश के संबंध में या उसका देय किसी रकम को वसूल करने के लिए आवश्यक रूप से उपयोग किया जाता है परन्तु यदि ऐसे प्रत्येक डाक या सदाय या किसी या कार्यवाही की वास्तविक 2500 रुपये से अधिक है तो भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित अनुज्ञा इसके उपयोग किए जाने से पूर्व अधिप्राप्त की जाएगी, और
- (5) किस अन्य मद पर कोई अन्य व्यय जहां तक वह बैंककारी कंपनी के दिन प्रतिदिन के प्रशासन का सवाल करने के लिए बैंककारी कंपनी की राय में आवश्यक है परन्तु जहां किसी मद पर कुछ व्यय, अधिव्ययन के आदेश के पूर्व छह कैलेंडर मास के दौरान उक्त मद के मध्ये औपन मासिक व्यय से अधिक है या जहां उक्त अवधि के दौरान उक्त मद के मध्ये कोई व्यय उपयोग नहीं हुआ है, और ऐसे में मद पर व्यय 2500 रुपये से अधिक है वहां भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित अनुज्ञा अनिवार्य व्यय उपयोग किए जाने के पूर्व अधिप्राप्त की जाएगी,

(ख) तारीख 24 मई 1986 का कारबार की समाप्ति से पूर्व उसके द्वारा किए गए कारबार के अनुसरण के सिवाए, अन्यों स्थावर सम्पत्ति का विक्रय, अंतरण या उसका अन्यथा व्यय नहीं करेगा।

3 केन्द्रीय सरकार यह भी निर्देश देती है कि हिन्दुस्तान कमर्शियल बैंक लिमिटेड, कानपुर उक्त मजूर को यथोचित म्यगन की कालावधि के दौरान निम्नलिखित और सदाय, अर्थात् हिन्दुस्तान कमर्शियल बैंक लिमिटेड कानपुर को भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक या इसके किसी ममनुष्य या किसी अन्य बैंक द्वारा हिन्दुस्तान कमर्शियल बैंक लिमिटेड, कानपुर को सरकारी प्रतिभूतियों या अन्य प्रतिभूतियों के विरुद्ध उधार/प्रतिभूतियों के या दिए गए प्रतिदाय के लिए आवश्यक है, और जो उस तारीख को जिसको अधिव्ययन आदेश प्रवृत्त होता है, असदत है अनिवार्य सहाय कर सकता है।

4 केन्द्रीय सरकार यह और निर्देश देती है कि अधिव्ययन की कालावधि के दौरान हिन्दुस्तान कमर्शियल बैंक लिमिटेड, कानपुर पूर्वोक्त सदाय करने के प्रयोजन के लिए भारतीय रिजर्व बैंक या किसी अन्य बैंक के पास अपना खाता बनाने के लिए अनुज्ञा जारी, परन्तु इस आदेश की किसी बात का यह अर्थ नहीं लगाया जाएगा कि वह भारतीय रिजर्व बैंक या किसी अन्य पूर्वोक्त बैंक से अपना यह समाधान करने की आशा करती है कि इस आदेश द्वारा अधिप्राप्तियों का हिन्दुस्तान कमर्शियल बैंक लिमिटेड, कानपुर के पक्ष में कोई रकम जारी किए जाने के पूर्व पालन किया जा रहा है।

5 केन्द्रीय सरकार यह और निर्देश देती है कि हिन्दुस्तान कमर्शियल बैंक लिमिटेड, कानपुर अधिव्ययन की कालावधि के दौरान, ऐसे किसी बिलों को, जिसकी वसूली नहीं हुई है, उसको प्राप्त करने के लिए हकदार व्यक्ति को उस व्यक्ति द्वारा इस निमित्त किए गए अनुरोध पर उस दशा में वापस लौटा सकेगा यदि बैंक का ऐसे बिलों में कोई अधिकार या हक था हित नहीं है।

6 केन्द्रीय सरकार यह भी निर्देश देती है कि हिन्दुस्तान कमर्शियल बैंक, लिमिटेड, कानपुर इस माल या प्रतिभूतियों की निम्नलिखित नीति में आगे के लिए तक निम्नलिखित या परिदृष्ट कर सकेगा या किसी उधार, नकद प्रत्यय या आदेश ट्रांजिट के लिए इसके पास गिरवी रखा गया हो, आडमानित, निम्नलिखित न दान या अन्यथा अधिप्राप्त किया गया हो,—

(1) किसी भी माल या दान या अन्यथा अधिप्राप्त उधार लेने वाले या उधार देने वाले या दान या अन्यथा अधिप्राप्त के मध्ये पूर्ण संपूर्ण बैंक द्वारा निम्नलिखित कर लिया गया हो, और

(2) किसी भी दशा में, अनुज्ञा अनुज्ञा या ऐसे अनुज्ञा को जो अधिव्ययन आदेश के प्रवृत्त होने से पूर्व रखे गए हैं इन दान में से जा उच्चतर हो, नीचे उक्त माल या प्रतिभूतियों पर सीमाओं के अनुपात को कम किए बिना ऐसी माला तक जो आवश्यक या संभव हो।

[फाइल नं. 17/2/86-बी ओ-III]

शरद केलकर, अपर सचिव,

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 24th May, 1986

## NOTIFICATION

S.O. 297(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 45 of the Banking Regulation Act, 1949, (10 of 1949), the Central Government, after considering an application made by the Reserve Bank of India under sub-section (1) of that Section, hereby makes an order of moratorium in respect of the Hindustan Commercial Bank Ltd., Kanpur for the period from the close of business on the 24th May, 1986 and upto and inclusive of the 25th September, 1986 and hereby stays the commencement or continuance of all actions and proceedings against that banking company during the period of moratorium, subject to the condition that such stay shall not in any manner prejudice the exercise by the Central Government of its powers under clause (b) of sub-section (4) of Section 35 of the said Act or the exercise by the Reserve Bank of India of its power under Section 38 of the said Act.

2. The Central Government hereby also directs that, during the period of moratorium granted to it, the Hindustan Commercial Bank Ltd., Kanpur shall not, without the permission in writing of the Reserve Bank of India.

(a) Grant any loan or advance, incur any liability, make any investment or agree to or disburse any payment, whether in discharge of its liabilities and obligations or otherwise, or enter into any compromise or arrangement, except to the extent and in the manner provided hereunder :

(i) a sum not exceeding 50 per cent of the total balance in every savings bank or current account or in any other deposit by whatever name called, provided that the sum total of the amounts paid in respect of the accounts standing in the name of any



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

आधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 202]  
No. 202]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 24, 1986/ज्येष्ठ 3, 1908  
NEW DELHI, SATURDAY, MAY 24, 1986/JYAISTHA 3, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जलन संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय  
(आर्थिक कार्य विभाग)  
(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 24 मई, 1986

अधिसूचना

का. आ. 297(अ)....—केन्द्रीय सरकार, बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 45 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस धारा की उपधारा (1) के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा किए गए आवेदन पर विचार करने के पश्चात् हिन्दुस्तान कमर्शियल बैंक लिमिटेड, कानपुर की दिनांक 24 मई, 1986 को कारबार की समाप्ति से तारीख 25 सितम्बर, 1986 तक जिसके अंतर्गत यह तारीख भी है, की कालावधि के लिए स्वयं आवेदन करती है और अधिव्ययन की कालावधि के दौरान उस बैंककारी कम्पनी के विरुद्ध सभी कार्रवाइयाँ और कार्यवाहियों के प्रारम्भ करने या बालू रखने को इस शर्त के अधीन रहते हुए स्थगित करती है कि ऐसे स्थगन से उक्त अधिनियम की धारा 35 की उपधारा (4) के खण्ड (ख) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा उसकी शक्तियों के प्रयोग पर या उक्त अधिनियम की धारा 38 के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उसकी शक्तियों के प्रयोग पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

2. केन्द्रीय सरकार यह भी निर्देश देती है कि हिन्दुस्तान कमर्शियल बैंक लिमिटेड, कानपुर को मंजूर की गयी अधिव्ययन की कालावधि के दौरान, वह बैंक भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित अनुज्ञा के बिना,—

(क) अपने दायित्वों और बाध्यताओं के निर्वहन में या अथवा कोई उधार या भ्रमि नहीं देगा, कोई दायित्व उत्पन्न नहीं करेगा, कोई विनिधान नहीं करेगा या किसी संदाश के लिए करार या उसका संवितरण नहीं करेगा या इसमें इसके पश्चात् उपबंधित विस्तार और रीति के सिवाए कोई समझौता का उद्घारन नहीं करेगा :—

(1) प्रत्येक वचन बैंक या बालू खाते में या किसी अन्य निधेप में चाहे वह किसी भी नाम से ज्ञात हों, कुल प्रतिशेप के 50 प्रतिशत से अधिक राशि परन्तु वह तब जब कि किसी एक व्यक्ति के नाम में (और किसी अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त रूप में नहीं) जमा खाते की दिनांक संवत्त रकम की कुल धनराशि व्यक्तियों के मामले में 10,000 रुपये तथा संस्थाओं के मामले में 25,000- रुपये से अधिक नहीं है, परन्तु यह और कि ऐसी कोई रकम ऐसे किसी निधेपकर्ता/वस्था को जो किसी भी रूप में बैंक का ऋणी है, संवत्त नहीं की जाएगी;



- (2) उक्त बैंक द्वारा जारी किए गए कोई डिपॉजिट या सदाय आदेशों की कोई रकम और जो उस तारीख का जिनको कोई रकम और जो उस तारीख को जारी अधिस्थगन तृतीय के प्रदान रह जाती है,
- (3) नोड 24 मई 1986 का या उससे पूर्व संचालित किए गए प्रत्येक बैंक के पूर्व, को या उसके तत्पश्चात् प्रदान किए गए डिपॉजिट को,
- (4) नोड 24 मई 1986 का या उससे पूर्व उसके विरुद्ध प्रदान किए गए किसी वाद या शर्तों के संबंध में या बैंक द्वारा अधिस्थापित उनी के लिये या उससे पूर्व किसी रकम को वसूल करने के लिए आवश्यक रूप से उपयोग किया जाता है परन्तु यदि ऐन प्रत्येक वाद या अपील या डिपॉजिट या कार्यवाही की बाबत व्यय 2500 रुपये से अधिक है तो भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित अनुज्ञा इसके उपयोग किए जाने से पूर्व अधिप्राप्त की जाएगी, और
- (5) किसी अन्य मद पर कोई अन्य व्यय जहां तक वह बैंककारी कंपनी के दिन प्रतिदिन के प्रशासन का संचालन करने के लिए बैंककारी कंपनी की राय में आवश्यक है परन्तु जहां किसी मद पर कुल व्यय, अधिस्थगन के आदेश के पूर्व छह कनेडर मास के दौरान उस मद के मध्ये औपचारिक मासिक व्यय से अधिक है या जहां उक्त अवधि के दौरान उस मद के मध्ये कोई व्यय उभरता नहीं हुआ है, और ऐसे में मद पर व्यय 2500 रुपये से अधिक है वहां भारतीय रिजर्व बैंक की लिखित अनुज्ञा अतिरिक्त व्यय उपयोग किए जाने के पूर्व अधिप्राप्त की जाएगी ;

(ख) तारीख 24 मई, 1986 को कारबार की समाप्ति से पूर्व उसके द्वारा किए गए कारबार के अनुमरण के सिवाए, अपनी स्थावर सम्पत्ति का विक्रय, अंतरण या उसका अन्यथा व्यवहार न करेगा।

3 केन्द्रीय सरकार यह भी निर्देश देती है कि हिन्दुस्तान कमर्शियल बैंक लिमिटेड, कानपुर उसे भ्रूषण को गयी स्थान की कालावधि के दौरान निम्नलिखित और सदाय, अर्थात् हिन्दुस्तान कमर्शियल बैंक लिमिटेड कानपुर को भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक या इसके किसी समन्वयों या किसी अन्य बैंक द्वारा हिन्दुस्तान कमर्शियल बैंक लिमिटेड, कानपुर को सरकारी प्रतिभूतियों या अन्य प्रतिभूतियों के विरुद्ध उधारों/प्रतिभूतियों के या दिए गए प्रतिदाय के लिए आवश्यक है, और जो उस तारीख को जिसको अधिस्थगन आदेश प्रवृत्त होता है, असदत है अतिरिक्त सदाय कर सकता है।

4 केन्द्रीय सरकार, यह और निर्देश देती है कि अधिस्थगन की कालावधि के दौरान हिन्दुस्तान कमर्शियल बैंक लिमिटेड, कानपुर पूर्वोक्त सदाय करने के प्रयोजन के लिए भारतीय रिजर्व बैंक या किसी अन्य बैंक के पास अपना खाता खोलने के लिए अनुरोध करेगी, परन्तु इस आदेश की किसी बात का यह अर्थ नहीं लगाया जाएगा कि वह भारतीय रिजर्व बैंक या किसी अन्य पूर्वोक्त बैंक से प्रस्तावित यथा समायोजन करने की अपेक्षा करती है कि इस आदेश द्वारा अधिरोपित शर्तों का हिन्दुस्तान कमर्शियल बैंक लिमिटेड, कानपुर के पक्ष में कोई रकम जारी किए जाने के पूर्व प्रदान किया जा रहा है।

5 केन्द्रीय सरकार यह और निर्देश देती है कि हिन्दुस्तान कमर्शियल बैंक लिमिटेड, कानपुर अधिस्थगन की कालावधि के दौरान, ऐसे किन्हीं बिलों को, जिनकी वसूली नहीं हुई है, उसको प्राप्त करने के लिए हकदार व्यक्ति को उस व्यक्ति द्वारा इस निमित्त किए गए अनुरोध पर उस दशा में वापस लौटा सकेगा यदि बैंक का ऐसे बिलों में कोई अधिकार या हक या हित नहीं है।

6 केन्द्रीय सरकार यह भी निर्देश देती है कि हिन्दुस्तान कमर्शियल बैंक लिमिटेड, कानपुर ऐसे बिल या प्रतिभूतियों की निम्नलिखित रीति में अपने निम्नलिखित तक रिमूव या परिदत्त कर सकेगा या किसी उधार, नकद प्रत्यय या आवक डिपॉजिट के लिए इसके पक्ष में गिरवी रखा गया हो, आडमानित विनिमित्त या दायक या अन्य परमाप्त किया गया हो,—

(1) किसी ऐसी दशा में या अधिस्थगन, उधार लेने वाले या उधार करने वाले दशा में भी रकमों के मध्ये पूर्ण रूप से बैंक द्वारा किए गए प्रदान पर लिया गया हो, और

(2) किसी दशा में, अनुमानित अनुपात या ऐसे अनुपातों से जो अधिस्थगन आदेश के प्रवृत्त होने से पूर्व रखे गए हैं उन दशा में से जो उच्चतर हो, नीचे उक्त बिल या प्रतिभूतियों पर सीमाओं के अनुपात को कम किए बिना ऐसी मात्रा तक जो आवश्यक या समभव हो।

[फाइल नं. 17/2/86-बी ओ-III]

शरद केलकर, अपर सचिव,

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 24th May, 1986

## NOTIFICATION

S.O. 297(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 45 of the Banking Regulation Act, 1949, (10 of 1949), the Central Government, after considering an application made by the Reserve Bank of India under sub-section (1) of that Section, hereby makes an order of moratorium in respect of the Hindustan Commercial Bank Ltd., Kanpur for the period from the close of business on the 24th May, 1986 and upto and inclusive of the 25th September, 1986 and hereby stays the commencement or continuance of all actions and proceedings against that banking company during the period of moratorium, subject to the condition that such stay shall not in any manner prejudice the exercise by the Central Government of its powers under clause (b) of sub-section (4) of Section 35 of the said Act or the exercise by the Reserve Bank of India of its power under Section 38 of the said Act.

2. The Central Government hereby also directs that, during the period of moratorium granted to it, the Hindustan Commercial Bank Ltd., Kanpur shall not, without the permission in writing of the Reserve Bank of India.

(a) Grant any loan or advance, incur any liability, make any investment or agree to or disburse any payment, whether in discharge of its liabilities and obligations or otherwise, or enter into any compromise or arrangement, except to the extent and in the manner provided hereunder :

(i) a sum not exceeding 50 per cent of the total balance in every savings bank or current account or in any other deposit by whatever name called, provided that the sum total of the amounts paid in respect of the accounts standing in the name of any

one person (and not jointly with that of any other person) does not exceed Rs. 10,000 in the case of individuals and Rs. 25,000 in the case of Institutions and provided further that no amount shall be paid to any depositor/institution who is indebted to the bank in any way ;

- (ii) the amounts of any drafts or pay orders issued by the said bank and remaining unpaid on the date on which the order of moratorium comes into force ;
- (iii) the amounts of the bills received for collection on or before the 24th May, 1986 and realised before, on or after that date ;
- (iv) Any expenditure which has necessarily to be incurred in connection with any suits or appeals filed by or against or decrees obtained by the said bank or for realising any amounts due to it, provided that if the expenditure in respect of each such suit or appeal or decree or proceeding is in excess of Rs. 2500, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before it is incurred ; and
- (v) any expenditure on any other item in so far as it is in the opinion of the banking company necessary for carrying on the day-to-day administration of the banking company, provided that where the total expenditure on any item in any calendar month exceeds the average monthly expenditure on account of that item during the six calendar months preceding the order of moratorium; & if no expenditure has been incurred on account of that item in the past exceeds a sum of Rs. 2500, the permission in writing of the Reserve Bank of India shall be obtained before the additional expenditure is incurred ;

(b) sell, transfer or otherwise dispose of any of its immovable properties except in pursuance of any agreement entered into by it prior to the close of business on the 24th May, 1986.

3. The Central Government hereby also directs that the Hindustan Commercial Bank Ltd., Kanpur may, during the period of moratorium granted to it,

make the following further payments, namely, the amounts necessary for repaying loans or advances granted against Government securities or other securities, to the Hindustan Commercial Bank Ltd., Kanpur by the Reserve Bank of India or the State Bank of India or any of its subsidiaries or by any other bank and remaining unpaid on the date on which the order of moratorium comes into force.

4. The Central Government hereby further directs that during the period of moratorium the Hindustan Commercial Bank Ltd., Kanpur shall be permitted to operate its accounts with the Reserve Bank of India or with any other bank for the purposes of making the payments aforesaid, provided that nothing in this order shall be deemed to require the Reserve Bank of India or any other bank aforesaid to satisfy itself that the conditions imposed by this order are being observed before any amounts are released in favour of the Hindustan Commercial Bank Ltd., Kanpur.

5. The Central Government hereby further directs that the Hindustan Commercial Bank Ltd., Kanpur may, during the period of moratorium, return any bills which have remained unrealised to the persons entitled to receive them on a request being made in this behalf by such persons, if the bank has no right or title to, or interest in, such bills.

6. The Central Government hereby also directs that the Hindustan Commercial Bank Ltd., Kanpur may release or deliver goods or securities which may be pledged, hypothecated or mortgaged or otherwise charged to it against any loan, cash credit or overdraft:—

- (i) in any case in which full payment towards all the amounts due from the borrower or borrowers, as the case may be, has been received by the bank, unconditionally ; and
- (ii) in any other case, to such an extent as may be necessary or possible, without reducing the proportions of the margins on the said goods or securities below the stipulated proportions or the proportions which were maintained before the order of moratorium came into force, whichever may be higher.

[F. No. 17/2/86-B.O.III]  
S. M. KELKAR, Addl. Secy.

